



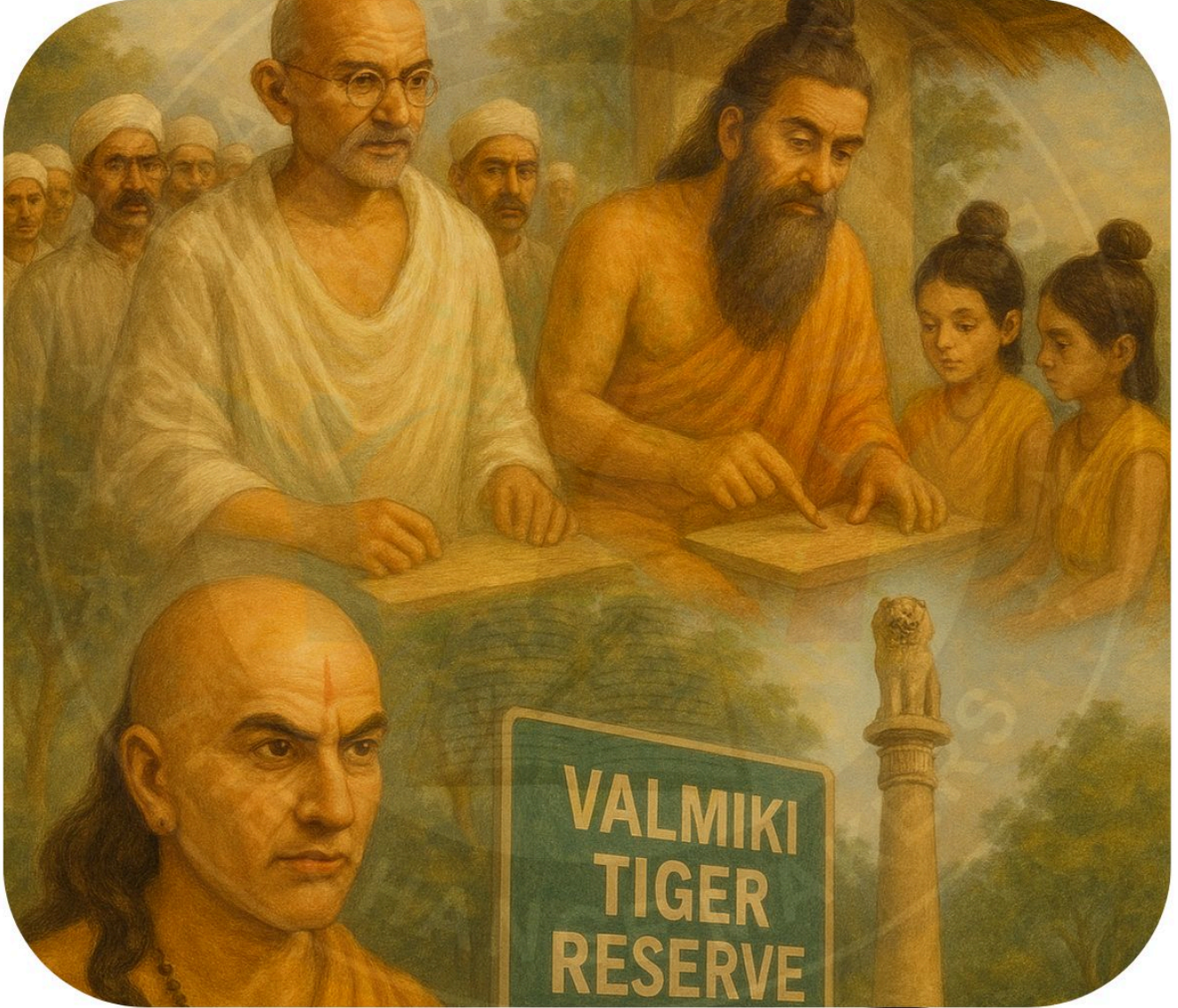
चम्पारण ज्ञानाग्रह



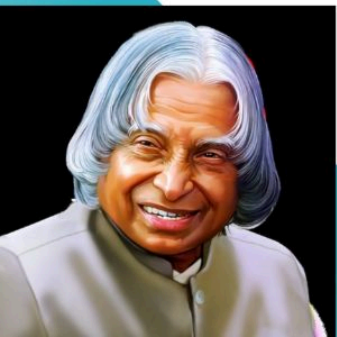
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 01 अक्टूबर 2026, अंक -370.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"क्षमा वीरों का आभूषण है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Thursday Prayer

बिहार राज्य गीत

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

राष्ट्रगान

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूंगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लोटगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

बन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
बन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
बन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
बन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
बन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
बन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
बन्दे मातरम्।

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. भूटान की राजधानी क्या है?

उत्तर: थिम्फू

प्रश्न 2. भारत की पहली महिला आईएस अधिकारी कौन थीं?

उत्तर: अन्ना राजम मल्होत्रा

प्रश्न 3. 'बाडों छम' किस राज्य का प्रसिद्ध पारंपरिक नृत्य है?

उत्तर: अरुणाचल प्रदेश

प्रश्न 4. 160 रु प्रतिकिलोग्राम की दर से 150 ग्राम दाल का मूल्य कितना होगा ?

उत्तर: 24 रु.

प्रश्न 5. जलालगढ़ का ऐतिहासिक किला बिहार के किस जिले में स्थित है?

उत्तर: पूर्णिया

प्रश्न 6. कौन-सा पक्षी पीछे की ओर भी उड़ सकता है?

उत्तर: हमिंगबर्ड

प्रश्न 7. विद्युत बल्ब के फिलामेंट में टंगस्टन का उपयोग मुख्यतः क्यों किया जाता है?

उत्तर: उच्च गलनांक

प्रश्न 8. भारत के महान्यायवादी (Attorney General) की नियुक्ति कौन करता है?

उत्तर: राष्ट्रपति

प्रश्न 9. 'जो समय का पालन करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: समयनिष्ठ

प्रश्न 10. विद्युत उपकरण को चलाने के लिए विद्युत परिपथ कैसा होना चाहिए?

उत्तर: बंद परिपथ

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Cloud - क्लाउड - बादल
- 2 Rainfall - रेनफॉल - वर्षा
- 3 Thunder - थंडर - गरज
- 4 Lightning - लाइटनिंग - बिजली / तड़ित
- 5 Rainbow - रेनबो - इंद्रधनुष
- 6 Storm - स्टॉर्म - तूफान
- 7 Breeze - ब्रीज़ - मंद हवा / समीर



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "When are you going to + V1?"

(तुम/आप ... कब करने वाले हो/हैं?)

तुम अपना काम कब पूरा करने वाले हो? – When are you going to finish your work?

तुम अपने दादा-दादी से कब मिलने वाले हो? – When are you going to visit your grandparents?

तुम यह पत्र कब भेजने वाले हो? – When are you going to send this letter?

तुम अपने कमरे की सफाई कब करने वाले हो? – When are you going to clean your room?

तुम परीक्षा की तैयारी कब शुरू करने वाले हो? – When are you going to start preparing for the exam?



संकलन:-

अभिनव राज

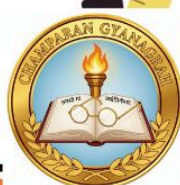
प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण



"सामान्य-ज्ञान" (वर्ग:6-12)



प्र.1. प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, उनके अधिकारों की रक्षा और समाज में उनके अनुभवों के सदुपयोग हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस (International Day of Older Persons)

व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 14 दिसंबर 1990 को संकल्प 45/106 पारित कर प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को 'अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' (International Day of Older Persons) के रूप में घोषित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर वृद्ध होती आबादी (Aging Population) की सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है। भारत में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और भरण-पोषण हेतु 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007' लागू है। यह दिवस अंतर-पीढ़ीगत संवाद को सुदृढ़ करने और बुजुर्गों की गरिमा सुनिश्चित करने का आह्वान करता है।

संदर्भ: UN General Assembly Resolution 45/106;

प्र.2. अक्टूबर 2026 में भारत सरकार द्वारा उच्च शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधानों में स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग अवसंरचना के विस्तार हेतु 'राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन' (NSM) के किस तीसरे चरण के प्रमुख क्लस्टरों का राष्ट्रव्यापी एकीकरण पूरा किया गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: परम गंगा एवं परम शक्ति ग्रिड एकीकरण

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के संयुक्त तत्वावधान में देश के प्रमुख राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs/NITs) में स्थापित 'परम' श्रृंखला के सुपरकंप्यूटिंग केंद्रों को 'राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग ग्रिड' से उच्च गति नेटवर्क (NKN) के माध्यम से जोड़ दिया गया। इस मिशन का उद्देश्य भारत को उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (HPC) में आत्मनिर्भर बनाना है ताकि मौसम पूर्वानुमान, आणविक मॉडलिंग, उपग्रह डेटा विश्लेषण और रक्षा सिमुलेशन जैसे जटिल कार्यों को त्वरित गति से निष्पादित किया जा सके।

संदर्भ: Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) Press Release October 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास है, जिसमें स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि में मध्यवर्गीय हिंदू समाज, सामाजिक सुधार, पारिवारिक मर्यादा और 'कांति' तथा 'सुमित्रा' के जीवन संघर्ष का यथार्थवादी अंकन किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: वरदान (1921)

व्याख्या: 'वरदान' (1921) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक महत्वपूर्ण आरंभिक सामाजिक उपन्यास है, जिसे उन्होंने मूल रूप से उर्दू में 'जलवए-ईसार' नाम से लिखा था। यह उपन्यास प्रेम, त्याग और देशभक्ति के त्रिकोण पर आधारित है। मुख्य पात्र प्रतापचंद्र और भुजराणी के माध्यम से लेखक ने निःस्वार्थ प्रेम को व्यक्तिगत सुखों से ऊपर उठाकर राष्ट्र-सेवा और सामाजिक उत्थान में विसर्जित करने का उच्च नैतिक आदर्श प्रस्तुत किया है। प्रेमचंद ने इसमें तत्कालीन समाज में बाल विवाह, संकीर्ण रूढ़िवाद और महिलाओं की सामाजिक पराधीनता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद - 'वरदान', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य)

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए क्षेत्र में समय के साथ जैविक समुदाय (पादप व जंतु प्रजातियों) के क्रमिक, व्यवस्थित और पूर्वानुमेय परिवर्तनों की प्रक्रिया को पर्यावरण विज्ञान में क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: पारिस्थितिक अनुक्रमण (Ecological Succession)

व्याख्या: किसी अनावृत या निर्जन क्षेत्र (जैसे नन चट्टान या नवनिर्मित तालाब) पर समय के साथ वनस्पतियों और जीवों के नए समुदायों का आगमन और उनका एक-दूसरे को प्रतिस्थापित करते हुए एक स्थिर समुदाय की ओर बढ़ना 'पारिस्थितिक अनुक्रमण' कहलाता है। यह दो प्रकार का होता है: (1) प्राथमिक अनुक्रमण - जो उन क्षेत्रों में होता है जहाँ पहले कभी कोई जीव नहीं रहा (जैसे लावा चट्टानों); (2) द्वितीयक अनुक्रमण - जहाँ प्राकृतिक आपदा या मानवीय हस्तक्षेप से पूर्व का समुदाय नष्ट हो गया हो। अनुक्रमण का अंतिम चरण एक अत्यधिक स्थिर और संतुलित जैविक समुदाय के रूप में समाप्त होता है जिसे 'चरम समुदाय' (Climax Community) कहते हैं।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 263-266;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उड़ीसा के संबलपुर में ब्रिटिश सत्ता और उसकी हड़प नीति के विरुद्ध 1862 तक निरंतर गुरिल्ला युद्ध संचालित करने वाले महान विद्रोही जननायक कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: वीर सुरेंद्र साय

व्याख्या: वीर सुरेंद्र साय (23 जनवरी 1809 - 28 फरवरी 1884) उड़ीसा के संबलपुर के एक महान स्वतंत्रता सेनानी और दूरदर्शी सैन्य रणनीतिकार थे। 1857 के विद्रोह के समय वे हजारीबाग जेल से मुक्त होकर संबलपुर पहुंचे और स्थानीय गोंड तथा बिंझाल जनजातियों को संगठित कर अंग्रेजों के विरुद्ध खुला विद्रोह छेड़ दिया। अंग्रेजों द्वारा संबलपुर पर अवैध अधिकार और ब्रिटिश कर-प्रणाली के खिलाफ उन्होंने घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों में रहकर 1862 तक गुरिल्ला युद्ध जारी रखा। लगातार पराजयों से तंग आकर अंग्रेजों ने 1864 में उन्हें धोखे से गिरफ्तार कर मध्य प्रदेश के असीरगढ़ किले में कैद रखा, जहाँ 1884 में उनका देहावसान हुआ।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55-58;

प्र.6. हिमालय पर्वतमाला में जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के मध्य जांस्कर श्रेणी में स्थित वह कौन-सा प्रसिद्ध सामरिक दर्रा है, जो श्रीनगर को कारगिल और लेह से राष्ट्रीय राजमार्ग 1D द्वारा जोड़ता है? (भूगोल)

उत्तर: ज़ोजिला दर्रा (Zojila Pass)

व्याख्या: ज़ोजिला दर्रा पश्चिमी हिमालय के जांस्कर पर्वत श्रेणी में समुद्र तल से लगभग 3,528 मीटर (11,575 फीट) की ऊंचाई पर स्थित एक अत्यधिक महत्वपूर्ण सामरिक दर्रा है। यह कश्मीर घाटी को लद्दाख के कारगिल और लेह क्षेत्रों से जोड़ता है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग 1 (NH-1) इसी दर्रे से होकर गुजरता है। अत्यधिक हिमपात के कारण यह दर्रा शीतकाल में महीनों बंद रहता था, जिसे हर मौसम में चालू रखने हेतु एशिया की सबसे लंबी द्विदिशीय 'ज़ोजिला सुरंग' (लगभग 14.15 किमी) का निर्माण किया गया है। 1948 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन बाइसन' चलाकर दैकों की मदद से इस दर्रे पर पुनः अधिकार किया था।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 10-13.

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को यह निर्देश देता है कि वह ग्राम पंचायतों का संगठन करेगा और उन्हें स्वायत्त शासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने हेतु आवश्यक शक्तियां प्रदान करेगा? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 40 (ग्राम पंचायतों का संगठन)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में राज्य की नीति के निदेशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 40' गांधीवादी विचारधारा का प्रमुख संवैधानिक प्रतीक है। यह घोषित करता है कि "राज्य ग्राम पंचायतों का संगठन करने के लिए कदम उठाएगा और उनको ऐसी शक्तियां और प्राधिकार प्रदान करेगा जो उन्हें स्वायत्त शासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने के योग्य बनाने के लिए आवश्यक हों।" इसी संवैधानिक निर्देश को व्यावहारिक रूप देने के उद्देश्य से 1992 में 73वां संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया गया, जिसने पंचायती राज संस्थाओं को त्रिस्तरीय ढांचे और 11वीं अनुसूची के साथ संवैधानिक दर्जा प्रदान किया।

संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 40; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 8 "स्थानीय शासन", p. 176-182;

प्र.8. किसी पारदर्शी माध्यम से दूसरे पारदर्शी माध्यम में तिरछी दिशा में प्रवेश करने पर प्रकाश की किरण के अपने मूल पथ से मुड़ने की इस भौतिक परिघटना को क्या कहा जाता है? (विज्ञान)

उत्तर: प्रकाश का अपवर्तन (Refraction of Light)

व्याख्या: जब प्रकाश की कोई किरण एक प्रकाशिक माध्यम से दूसरे भिन्न प्रकाशिक घनत्व वाले माध्यम में तिरछी दिशा में प्रवेश करती है, तो दोनों माध्यमों के सीमा-पृष्ठ पर किरण की दिशा बदल जाती है। इस परिघटना को 'प्रकाश का अपवर्तन' कहते हैं। इसका मूल कारण अलग-अलग माध्यमों में प्रकाश की चाल का भिन्न-भिन्न होना है। जब प्रकाश किरण विरल माध्यम (जैसे वायु) से सघन माध्यम (जैसे कांच या जल) में जाती है, तो प्रकाश की चाल धीमी होने के कारण वह अभिलंब की ओर झुक जाती है। इसके विपरीत सघन से विरल माध्यम में जाने पर प्रकाश की चाल बढ़ने से किरण अभिलंब से दूर हट जाती है। स्नेल का नियम ($\sin i / \sin r = \text{स्थिरांक}$) इसके द्वितीय नियम को व्यक्त करता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 186-189;

प्र.9. 8वीं शताब्दी में कश्मीर के कर्कोट राजवंश के प्रतापी सम्राट ललितादित्य मुक्तापीड द्वारा अनंतनाग में निर्मित वह कौन-सा भव्य सूर्य मंदिर है, जो कश्मीरी स्थापत्य कला का शिखर माना जाता है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: मार्तंड सूर्य मंदिर (अनंतनाग)

व्याख्या: मार्तंड सूर्य मंदिर जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक ऊंचे पठार पर स्थित प्राचीन भारतीय वास्तुकला का एक विस्मयकारी खंडहर है। इसका निर्माण 8वीं शताब्दी (लगभग 725-756 ईस्वी) में कर्कोट वंश के महान सम्राट ललितादित्य मुक्तापीड ने करवाया था। यह मंदिर भगवान सूर्य (मार्तंड) को समर्पित है। इसकी वास्तुकला में पारंपरिक कश्मीरी, गांधार, गुप्त और यूनानी-रोमन स्थापत्य शैलियों का अद्भुत संगम दिखाई देता है। चूना पत्थर के विशाल स्तंभों, 84 स्तंभों वाले प्रांगण और केंद्रीय गर्भगृह से युक्त यह मंदिर प्राचीन भारत के भव्यतम मंदिरों में गिना जाता था। 15वीं शताब्दी में सुल्तान सिकंदर बुतशिकन के शासनकाल में इसे अत्यधिक क्षति पहुंचाई गई थी।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला संदर्भ";

प्र.10. 1912 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 27वां वार्षिक अधिवेशन बिहार की धरती पर पहली बार किस स्थान पर आयोजित हुआ था, जिसके अध्यक्ष रघुनाथ नरसिंह मुधोलकर बने थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: बांकीपुर (पटना)

व्याख्या: 1912 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 27वां वार्षिक अधिवेशन पहली बार बिहार में आयोजित हुआ था। यह ऐतिहासिक अधिवेशन पटना के 'बांकीपुर' में संपन्न हुआ। इस अधिवेशन की अध्यक्षता विख्यात विधिवेत्ता और राष्ट्रवादी नेता रघुनाथ नरसिंह मुधोलकर (आर. एन. मुधोलकर) ने की थी। इसके स्वागत समिति के अध्यक्ष मौलाना मजहूरुल हक थे तथा सच्चिदानंद सिन्हा इसके महासचिव बनाए गए थे। इसी अधिवेशन में कांग्रेस के संस्थापक एलन ऑक्टेवियन ह्यूम (A. O. Hume) के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें औपचारिक रूप से 'कांग्रेस का पिता' घोषित किया गया था। इस अधिवेशन ने बिहार में राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन को संगठित रूप प्रदान करने में मील का पत्थर स्थापित किया।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module;

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W4 - नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि किसी नाव में क्षमता से अधिक सवारी बैठी हो (ओवरलोडिंग) तो यात्रियों को नाव पर चढ़ने से क्यों मना करना चाहिए और किसी डूबते हुए व्यक्ति को पानी से बाहर निकालते समय बचावकर्ता को स्वयं को उसके सीधे पकड़ में आने से क्यों बचना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: फ्रीबोर्ड घटने से पलटने का जोखिम; डूबता व्यक्ति घबराहट में बचावकर्ता को भी नीचे डुबो देता है

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W4: नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार, जल-सुरक्षा हेतु वैज्ञानिक व व्यवहारिक नियम अत्यंत आवश्यक हैं: (1) नाव की ओवरलोडिंग - नाव की एक निश्चित भार-वहन क्षमता होती है; क्षमता से अधिक यात्री या माल लादने से नाव का पानी के ऊपर रहने वाला किनारा (Freeboard) खतरनाक रूप से घट जाता है, जिससे पानी की एक हल्की लहर या यात्रियों की तनिक-सी हलचल से नाव में जल भरकर वह तुरंत डूब जाती है, अतः ओवरलोडिंग नाव पर कदापि यात्रा न करें; (2) डूबते व्यक्ति से सुरक्षा दूरी - पानी में डूबता हुआ व्यक्ति अत्यधिक घबराहट (Panic) और दम घुटने के भय में अपने सामने आने वाले किसी भी सहारे (यहाँ तक कि बचावकर्ता के सिर, गले या हाथ) को अत्यंत हिंसक बल से जकड़ लेता है, जिससे बचावकर्ता के हाथ-पैर बंध जाते हैं और दोनों की डूबकर मृत्यु हो जाती है; अतः बचावकर्ता को मुद्दे पर पीछे हटने से बचना चाहिए या अपने सीधे पकड़ने के बजाय कोई अन्य बचाव दस्तावेज या फ्लोटिंग एक्जाम्पल चाहिए।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training: Module 2: Seagrinding W4 - नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी।

प्र.12. एक बेलन (Cylinder) की त्रिज्या 7 सेमी तथा उसकी ऊंचाई 10 सेमी है। बताइए उस बेलन का कुल पृष्ठीय क्षेत्रफल (Total Surface Area) कितने वर्ग सेंटीमीटर होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 748 वर्ग सेमी

व्याख्या: यह ठोस ज्यामिति में लम्बवृत्तीय बेलन के पृष्ठीय क्षेत्रफल पर आधारित एक मानक अंकगणितीय प्रश्न है। दिया गया है:

बेलन की आधार त्रिज्या (r) = 7 सेमी, बेलन की ऊंचाई (h) = 10 सेमी, पाई (π) का मानक मान = 22/7, लम्बवृत्तीय बेलन के कुल पृष्ठीय क्षेत्रफल (TSA) का सूत्र: $\text{TSA} = 2\pi r(r + h)$, मान प्रतिस्थापित करने पर: $\text{TSA} = 2 * (22/7) * 7 * (7 + 10)$ 7 से 7 कट जाएगा: $\text{TSA} = 2 * 22 * 17$ $\text{TSA} = 44 * 17$ $\text{TSA} = 748$ (वर्ग सेमी)। अतः उस बेलन का कुल पृष्ठीय क्षेत्रफल ठीक 748 वर्ग सेंटीमीटर होगा। (जॉच: वक्र पृष्ठ = $2\pi rh = 2 * (22/7) * 7 * 10 = 440$ (वर्ग सेमी); दोनों वृत्ताकार सिरों का क्षेत्रफल = $2 * \pi r^2 = 2 * (22/7) * 49 = 308$ (वर्ग सेमी); कुल क्षेत्रफल = $440 + 308 = 748$ (वर्ग सेमी))। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 11 "क्षेत्रमिति" (Mensuration -

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Capricious (कप्रिशस) = Fickle (फिकल) = चंचल / मनमौजी / अस्थिर
Antonym - Consistent (कन्सिस्टेंट) = स्थिर / सुसंगत
2. Exigent (एक्सिजेन्ट) = Urgent (अर्जेन्ट) = अत्यावश्यक / तत्काल ध्यान देने योग्य
Antonym - Trivial (ट्रिवियल) = तुच्छ / महत्वहीन
3. Lethargic (लेथार्जिक) = Sluggish (स्लुगिश) = सुस्त / निष्क्रिय / आलसी
Antonym - Energetic (एनर्जेटिक) = ऊर्जावान / सक्रिय
4. Preclude (प्रीक्लूड) = Prevent (प्रिवेन्ट) = रोकना / पहले से ही असंभव कर देना
Antonym - Permit (परमिट) = अनुमति देना / होने देना
5. Tantamount (टैन्टमाउंट) = Equivalent (इक्विवलेन्ट) = बराबर / समान प्रभाव वाला
Antonym - Dissimilar (डिसिमिलर) = असमान / भिन्न

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण ।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



India-Republic of Korea hold 10th Joint Committee Meeting on Defence Industries and Logistics Cooperation

हिन्दी अनुवाद: भारत-दक्षिण कोरिया ने रक्षा उद्योग और रसद सहयोग पर 10वीं संयुक्त समिति बैठक आयोजित की।

भारत और दक्षिण कोरिया गणराज्य ने नई दिल्ली में रक्षा उद्योग और रसद सहयोग पर 10वीं संयुक्त समिति बैठक (JCM) आयोजित की। दोनों पक्षों ने चल रहे सहयोग की समीक्षा की और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और विस्तार देने के उपायों पर चर्चा की। UPSC/BPSC के लिए: JCM — संयुक्त समिति बैठक; Defence cooperation — रक्षा सहयोग; India-ROK relations — भारत-दक्षिण कोरिया संबंध।

ASEAN-India Maritime Exercise (AIME-2026) commences in Subic Bay, Philippines

हिन्दी अनुवाद: आसियान-भारत समुद्री अभ्यास (AIME-2026) सुबिक बे, फिलीपींस में शुरू हुआ।

आसियान-भारत समुद्री अभ्यास (AIME-2026) फिलीपींस के सुबिक बे में शुरू हुआ है। यह अभ्यास समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियानों और आपदा राहत में सहयोग को मजबूत करेगा। UPSC/BPSC के लिए: ASEAN — आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन); Maritime exercise — समुद्री अभ्यास; Indian Navy — भारतीय नौसेना।

Defence Accounts Department celebrates 279th Annual Day; Rajnath Singh highlights geo-strategic preparedness

हिन्दी अनुवाद: रक्षा लेखा विभाग ने 279वां वार्षिक दिवस मनाया; राजनाथ सिंह ने भू-रणनीतिक तैयारी पर बल दिया।

रक्षा लेखा विभाग ने 30 सितंबर को अपना 279वां वार्षिक दिवस मनाया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत को बदलती तकनीक, अप्रत्याशितता और भौगोलिक निकटता से उत्पन्न चुनौतियों के मद्देनजर भू-रणनीतिक सोच और आकस्मिक योजना को अपनी तैयारी का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। UPSC/BPSC के लिए: Defence Accounts Department — रक्षा लेखा विभाग; Geo-strategic thinking — भू-रणनीतिक सोच; Military logistics — सैन्य रसद।

INTERNATIONAL NEWS

Qatari mediators continue shuttle diplomacy between US and Iran; both sides remain divided over sequence of steps

हिन्दी अनुवाद: कतरी मध्यस्थ US और ईरान के बीच शटल कूटनीति जारी रखे; दोनों पक्ष कदमों के क्रम पर विभाजित।

कतर ने कहा कि वह US और ईरान के बीच मतभेदों को पाटने के लिए मध्यस्थता जारी रखेगा, हालाँकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शांति प्रस्ताव से इनकार किया है। दोनों पक्ष मोटे तौर पर आवश्यक कदमों पर सहमत हैं लेकिन इस बात पर विभाजित हैं कि उन्हें किस क्रम में लागू किया जाना चाहिए। ईरान चाहता है कि US पहले नौसैनिक नाकाबंदी हटाए, जबकि US चाहता है कि ईरान पहले होर्मुज़ खोले। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; Shuttle diplomacy — शटल कूटनीति; Qatar mediation — कतर मध्यस्थता।

Iran says it received US response to its proposal to end war; details remain unclear

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने कहा कि उसे युद्ध समाप्त करने के अपने प्रस्ताव पर US की प्रतिक्रिया मिली; विवरण अस्पष्ट हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि तेहरान को अपने प्रस्ताव पर वॉशिंगटन की प्रतिक्रिया मिल गई है, लेकिन विवरण अभी स्पष्ट नहीं हैं। US राज्य विभाग ने मंगलवार को कई व्यक्तियों और संस्थाओं पर नए प्रतिबंध लगाए जो ईरानी हथियार खरीद नेटवर्क का समर्थन करते हैं। UPSC/BPSC के लिए: US-Iran talks — अमेरिका-ईरान वार्ता; US sanctions — अमेरिकी प्रतिबंध; Nuclear programme — परमाणु कार्यक्रम।

Netanyahu tells UAE President MBZ that Iran is renewing progress on nuclear program at Pickaxe Mountain site

हिन्दी अनुवाद: नेतन्याहू ने UAE राष्ट्रपति MBZ को बताया कि ईरान पिकैक्स माउंटन साइट पर परमाणु कार्यक्रम में प्रगति कर रहा है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने UAE के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को बताया कि ईरान तेहरान से लगभग 140 मील दक्षिण में स्थित "पिकैक्स माउंटन" नामक पहाड़ी साइट पर अपने परमाणु कार्यक्रम में प्रगति कर रहा है। यह जानकारी नई निर्माण गतिविधि के बारे में थी। UPSC/BPSC के लिए: Nuclear programme — परमाणु कार्यक्रम; IAEA — अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी; Israel-UAE relations — इजरायल-UAE संबंध।

BIHAR NEWS

Bihar floods: CM Samrat Choudhary conducts aerial survey of West Champaran; Gandak River breaches two embankments

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: CM सम्राट चौधरी ने पश्चिम चंपारण का हवाई सर्वे किया; गंडक नदी ने दो बांध तोड़े।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 30 सितंबर को पश्चिम चंपारण जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे किया। गंडक नदी ने दो बांध तोड़ दिए हैं और निचले गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। CM ने अधिकारियों को दुसहरा से पहले प्रभावित परिवारों को 7,000 रुपये की राहत राशि वितरित करने के निर्देश दिए। गंगा नदी पटना और कुछ अन्य स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। UPSC/BPSC के लिए: CWC – केंद्रीय जल आयोग; HFL – Highest Flood Level; Flood management – बाढ़ प्रबंधन।

Gandak discharge falls to 1,31,500 cusecs; Kosi steady at 1,04,100 cusecs, water levels expected to recede in 2-3 days

हिन्दी अनुवाद: गंडक का निर्वहन 1,31,500 क्यूसेक तक गिरा; कोसी 1,04,100 क्यूसेक पर स्थिर, जलस्तर 2-3 दिनों में घटने की उम्मीद।
वाल्मीकिनगर गंडक बैराज पर पानी का निर्वहन सुबह 4 बजे 1,39,400 क्यूसेक से घटकर सुबह 7 बजे 1,31,500 क्यूसेक हो गया। बिरपुर में कोसी बैराज ने समान अवधि के दौरान 1,04,100 क्यूसेक का स्थिर निर्वहन बनाए रखा। CM ने कहा कि जलस्तर 2-3 दिनों में घटने की उम्मीद है।
UPSC/BPSC के लिए: Barrage discharge – बैराज निर्वहन; Cusecs – क्यूसेक (घन फीट प्रति सेकंड); Flood monitoring – बाढ़ निगरानी।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026: India's medal tally reaches 56 (9 gold, 21 silver, 26 bronze); Neeru-Chennai win gold in mixed trap team

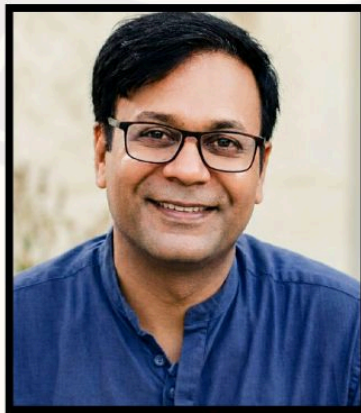
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत का पदक tally 56 पहुंचा (9 स्वर्ण, 21 रजत, 26 कांस्य); नीरू-चेन्नई ने मिश्रित ट्रैप टीम में स्वर्ण जीता।

भारत ने एशियाई खेल 2026 के 12वें दिन अपना पदक tally 56 तक पहुंचाया – 9 स्वर्ण, 21 रजत और 26 कांस्य। नीरू ढांडा और कैनन चेन्नई ने मिश्रित ट्रैप टीम फाइनल में स्वर्ण पदक जीता और एशियाई खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। चिकित्ता और साहिल जाधव ने कंपाउंड मिश्रित टीम में स्वर्ण जीता और LA28 ओलंपिक कोटा सुरक्षित किया। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games – एशियाई खेल, चार साल में एक बार; ISSF – अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स महासंघ; Olympic quota – ओलंपिक कोटा।

Women's Hockey: India beats South Korea 2-0 to enter final; seeks first gold since 1982

हिन्दी अनुवाद: महिला हॉकी: भारत ने दक्षिण कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया; 1982 के बाद पहला स्वर्ण जीतने का लक्ष्य।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेल 2026 के सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। भारत ने 1982 में नई दिल्ली में आखिरी बार एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और इस बार स्वर्ण जीतने का लक्ष्य है। UPSC/BPSC के लिए: FIH – अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ; AHF – एशियाई हॉकी महासंघ; Asian Games – एशियाई खेल।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

आज का विचार:

दुनिया को बदलने का सबसे सशक्त माध्यम है—स्वयं को उस बदलाव का आदर्श उदाहरण बना देना। आपका आज का आचरण ही आपके आसपास के लोगों का कल का चरित्र तय करता है। (गीता - ३/२१)

एक बार किसी आवश्यक विषय पर चर्चा करने के लिए एक सार्वजनिक संस्था के दो सदस्य वर्धा पहुँचे। वे महात्मा गांधी जी से मिलने गए। बातचीत के दौरान गांधी जी को पता चला कि उन दोनों में से एक व्यक्ति भी उनके पास आता है, तो काम चल जाता है।

गांधी जी ने उनमें से एक सदस्य को तुरंत वापस लौट जाने की सलाह देते हुए कहा,

“जनता का धन इस तरह खर्च करना चाहिए कि उसमें एक पैसे का भी अपव्यय न हो।”

इस पर दूसरे सदस्य ने कहा,

“बापू, अब तो हम आ ही गए हैं। क्यों न यह भी रुक जाएँ? हम दोनों साथ-साथ ही लौट जाएँगे। खर्च तो उतना ही होगा।”

गांधी जी ने उसकी बात सुनी और शांत भाव से कहा,

“अपव्यय का अर्थ केवल धन का अपव्यय करना ही नहीं है, समय का अपव्यय भी नहीं करना चाहिए।”

गांधी जी की यह बात सुनकर दोनों सदस्य समझ गए कि सार्वजनिक जीवन में छोटी-सी बचत भी महत्वपूर्ण होती है। केवल पैसे की बचत करना ही मितव्ययिता नहीं है, बल्कि समय, संसाधन, श्रम और ऊर्जा का सदुपयोग करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

प्रेरक सीख

धन की बर्बादी दिखाई देती है, लेकिन समय की बर्बादी का नुकसान अक्सर देर से समझ आता है। इसलिए धन के साथ-साथ अपने समय और संसाधनों का भी सदुपयोग करें।



.....✍
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण। 9





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-10

सोचो... समझो... हल करो...

			3	9	8			5
						7	6	1
		5		2				
		1				4	5	8
	3							
			7					
3						9	7	
6		7	8		5			4

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"आज का कार्य कल पर मत टालो।"

— लोकोक्ति

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

1	7	6	3	9	8	2	4	5
5	2	4	8	1	7	8	3	9
9	8	3	4	5	2	7	6	1
8	4	5	1	2	6	3	9	7
2	6	1	9	7	3	4	5	8
7	3	9	5	8	4	6	1	2
4	1	2	7	6	9	5	8	3
3	5	8	2	4	1	9	7	6
6	9	7	8	3	5	1	2	4

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 3, श्लोक 21

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते॥

सरल हिन्दी अर्थ:

श्रेष्ठ (आदर्श व अग्रणी) पुरुष जैसा-जैसा आचरण करता है, अन्य सामान्य लोग भी वैसा-वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण या मानक निर्धारित कर देता है, समस्त समाज उसी का अनुसरण करने लगता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ नेतृत्व के नैतिक प्रभाव (Power of Leadership by Example) का सनातन नियम समझा रहे हैं। उपदेश या भाषण से समाज नहीं बदलता, आचरण से बदलता है।

- कथनी और करनी की एकता (Walk the Talk): शब्द केवल कान तक जाते हैं, लेकिन आचरण आँखों के रास्ते सीधे मन में उतरता है। कोई व्यक्ति क्या बोलता है, लोग उस पर नहीं, बल्कि वह क्या करता है, उस पर ध्यान देते हैं।
- अदृश्य सामाजिक दायित्व: जब आप परिवार, संस्थान, संगठन या समाज में किसी भी ज़िम्मेदारी के पद पर होते हैं, तो आपकी हर आदत, समय की पाबंदी और आचरण का तरीका आपके आसपास के लोगों का मानक (Standard) बन जाता है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पोर्टल नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्यग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पाठ्यक्रम पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलता हुआ जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम

वात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्कर्मित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के गुप्तों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे केनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले गुप्तों में शेयर किया रिसर्पान्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसमें 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रवत में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चोरी की लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र जागरण० बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बंट रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवन-वैपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों का एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,



प्रखंड संस्कार केंद्र बगहा दो ० जलद्वारा

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संस्कृत माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसमें 'संपन्नता माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
पून्वन राम, बीईई, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सरावत



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

"भारत रत्न" निडर वीरांगना: अरुणा आसफ़ अली

प्यारे बच्चों, जब भी हमारा प्यारा तिरंगा हवा में लहराता है, तो हमारा दिल गर्व से भर जाता है। आज हम भारत माँ की एक ऐसी साहसी बेटी की दास्तान सुनेंगे, जिन्होंने अंग्रेज़ पुलिस की बंदूकों और लाठियों की ज़रा भी परवाह न करते हुए सीना तानकर तिरंगा फहराया था। देशवासी उन्हें बड़े आदर से '1942 की वीरांगना' और 'ग़ैड ओल्ड लेडी' कहकर पुकारते हैं। वे हैं अरुणा आसफ़ अली। अरुणा जी का जन्म 16 जुलाई 1909 को तत्कालीन पंजाब के कालका शहर (वर्तमान हरियाणा) के एक संभ्रांत बंगाली ब्राह्मण परिवार में हुआ था। जन्म के समय उनका नाम 'अरुणा गांगुली' था। उनके पिता श्री उपेन्द्रनाथ गांगुली एक प्रतिष्ठित व्यवसायी थे और उनकी माता श्रीमती अंबालिका देवी अत्यंत स्नेहमयी, धर्मपरायण और सुशिक्षित महिला थीं।

नन्ही अरुणा बचपन से ही बहुत कुशाग्र बुद्धि, साहसी और स्वतंत्र विचारों वाली बालिका थीं। उन्होंने लाहौर और नैनीताल से अपनी उच्च शिक्षा पूरी की। पढ़ाई पूरी करने के बाद वे कोलकाता के गोखले मेमोरियल स्कूल में अध्यापिका बन गईं और नन्हें बच्चों को बड़े प्यार से पढ़ाने लगीं। इलाहाबाद में उनकी भेंट एक जाने-माने वकील और राष्ट्रवादी नेता आसफ़ अली जी से हुई। दोनों ने विवाह कर लिया, जिसके बाद वे 'अरुणा आसफ़ अली' कहलाईं। अपने पति के साथ मिलकर अरुणा जी स्वतंत्रता आंदोलन की गतिविधियों में पूरी तरह कूद पड़ीं। जब 1930 में गांधीजी ने नमक सत्याग्रह शुरू किया, तो अरुणा जी ने धरने-प्रदर्शनों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंग्रेज़ सरकार ने उन्हें तिहाड़ जेल में डाल दिया। जेल की कालकोठरी में जब राजनीतिक कैदियों के साथ बुरा व्यवहार हुआ, तो इस निडर वीरांगना ने भूख हड़ताल कर अंग्रेज़ अफसरों को कैदियों की सुविधाएँ सुधारने पर मजबूर कर दिया।

अरुणा जी के जीवन का सबसे ऐतिहासिक और रोमांचक पल 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में आया। 8 अगस्त 1942 की रात अंग्रेज़ हुकूमत ने महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल समेत कांग्रेस के सभी शीर्ष नेताओं को रातों-रात गिरफ्तार कर लिया। अंग्रेज़ों को लगा कि बड़े नेताओं को जेल में डालकर आंदोलन को एक ही झटके में कुचल दिया जाएगा। चारों तरफ सन्नाटा और डर का माहौल था। 9 अगस्त की सुबह मुंबई के ऐतिहासिक 'ग्वालियर टैंक मैदान' (जिसे आज अगस्त क्रांति मैदान कहा जाता है) पर भारी पुलिस बल तैनात था और आँसू गैस के गोले दागे जा रहे थे। तभी बिजली की फुर्ती से 33 वर्ष की यह साहसी महिला भीड़ को चीरती हुई आगे बढ़ी। उन्होंने अंग्रेज़ पुलिस की आँखों के सामने खंभे पर चढ़कर शान से तिरंगा झंडा फहरा दिया! इस दृश्य ने पूरे देश के युवाओं में नया खून दौड़ा दिया और भारत छोड़ो आंदोलन की दावानल पूरे देश में फैल गई।

तिरंगा फहराने के बाद अंग्रेज़ पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए पागल हो उठी। अंग्रेज़ सरकार ने उनकी सारी संपत्ति जब्त कर ली और उन पर बड़ा इनाम रख दिया। परंतु चतुर अरुणा जी ने भूमिगत (अंडरग्राउंड) होकर राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण के साथ मिलकर गुप्त रेडियो और 'इंक्लाब' नामक पत्रिका के ज़रिए क्रांति का संचालन किया। वे भेष बदलकर पूरे देश में घूमती रहीं, पर कभी पुलिस की पकड़ में नहीं आईं। आज़ादी के बाद वे दिल्ली की पहली महिला मेयर (महापौर) बनीं और गरीबों, सफाईकर्मियों तथा झुग्गी-झोपड़ियों के बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर काम किया। राष्ट्र के प्रति उनकी महान सेवाओं के लिए उन्हें 'पद्म विभूषण' और 1997 में मरणोपरांत देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से नवाज़ा गया। 29 जुलाई 1996 को इस महान वीरांगना ने दुनिया से विदा ली। प्यारे बच्चों, अरुणा आसफ़ अली का जीवन हमें सिखाता है कि डर के आगे कभी मत झुको, देश के स्वाभिमान के लिए साहस जुटाओ और निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करो।



.....
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





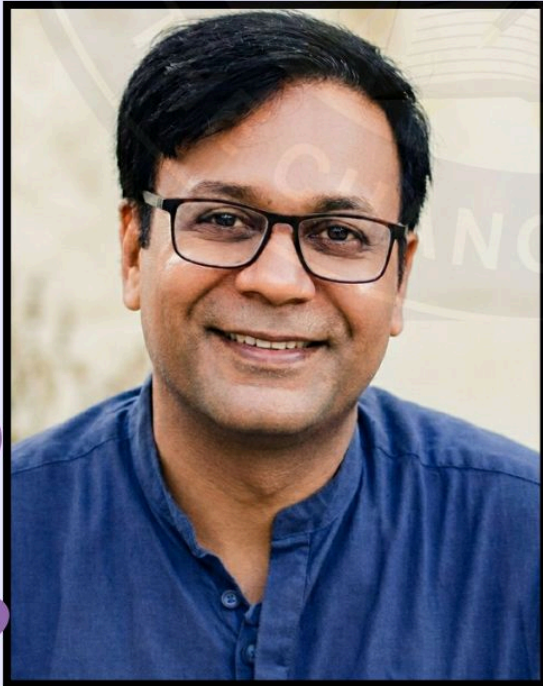
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

दुनिया को बदलने का सबसे सशक्त माध्यम है—स्वयं को उस
बदलाव का आदर्श उदाहरण बना देना। आपका आज का
आचरण ही आपके आसपास के लोगों का कल का चरित्र तय
करता है। (गीता -३/२१)

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

